बाल्यावस्था एवं उसका विकास

CHILDHOOD AND GROWING UP

मनोविज्ञान क्या है ?

(What is Psychology) 1590 - रूडोल्फ गॉक्लेनियस

मनोविज्ञान (Psychology) - 'साइकोलॉजी' शब्द लैटिन भाषा के दो शब्दों के युग्म साइके (Psyche) + लोगस (Logus) से मिलकर बना है। जहाँ Psyche का अर्थ है - Soul (आत्मा) तथा Logus का अर्थ है Science (विज्ञान) अर्थात 'साइकोलॉजी' शब्द का शाब्दिक अर्थ हुआ 'आत्मा का विज्ञान' (Science of Soul)।

16 वीं शताब्दी तक मनोविज्ञान को 'आत्मा का विज्ञान' माना जाता था। इस शास्त्र में आत्मा के स्वरूप तथा उसकी क्रियाओं का अध्ययन किया जाता था। उस समय मनोविज्ञान को स्वतंत्र विषय का पद नहीं प्राप्त था और वह दर्शन का एक भाग समझा जाता था।

मनोविज्ञान को आत्मा का विज्ञान मानने में विद्वानों को अनेक कठिनाई का सामना करना पड़ा। आत्मा शब्द दार्शनिक शब्द है जिसका अर्थ रहस्यों से पूर्ण है। दूसरी बात यह है कि आत्मा का स्वरूप भी अनिश्चित है। कोई इसे ईश्वर के अर्थ में तथा कोई इसे जीव की शक्ति के रूप में। कोई आत्मा को एक मानता है तथा कोई अनेक। इसके अतिरिक्त एक कठिनाई यह भी उत्पन्न हुई कि आत्मा का निरीक्षण एवं उसका प्रयोग अत्यन्त कठिन है और

Scanned by CamScanner

किसी भी विज्ञान में निरीक्षण एवं प्रयोग की पद्धतियाँ अति आवश्यक है। मनोवैज्ञानिकों ने यह देखा की जब तक मनोविज्ञान दर्शन का दामन नहीं छोड़ता और आत्मा जैसे सूक्ष्म विषय की अपेक्षा किसी स्थूल वस्तु को अपना ज्ञेय विषय नहीं बनाता तब तक उसे विज्ञान कहना ठीक नहीं है। इसी कारण से मनोवैज्ञानिकों ने परिभाषा में परिवर्तन किया। इसके बाद मनोवैज्ञानिकों ने मनोविज्ञान को 'मन का विज्ञान' (Science of Mind) के रूप में प्रस्तुत किया। किन्तु मन आत्मा से स्थूल अवश्य है किन्तु यह भी दृष्टि का विषय नहीं है। मन का निरीक्षण एवं उस पर भी परीक्षण करना अत्यन्त कठीन कार्य है। इसलिए यह परिभाषा भी अमान्य हो गई।

आत्मा एवं मन से अलग हटकर मनोविज्ञान ने चेतना (Consciousness) को अपना केन्द्र विन्दु बनाया। इस प्रकार से मनोविज्ञान आत्मा एवं मन से दूरी बनाते हुए एक स्वतंत्र विषय बनने की ओर अग्रसर हुआ। किन्तु चेतना शब्द में ऐसा लगता है जैसे कुछ यह स्थिर (Static) पदार्थ है जबकि मन एक पदार्थ न होकर एक प्रक्रिया है। इसकी बात यह है कि मनोविज्ञान में हम चेतन-अचेतन दोनों प्रकार की मानसिक प्रक्रियाओं

03 Sunday

Scanned by CamScanner

का अध्ययन करते हैं। अचेतन मन चेतन मन से कहीं अधिक बड़ा है और वह व्यक्ति के व्यवहार को बहुत प्रभावित करता है अतः "मनोविज्ञान चेतना का विज्ञान है"। यह परिभाषा भी अपूर्ण है।

आधुनिक काल में मनोविज्ञान को व्यवहार का विज्ञान माना जाने लगा है।

—: परिभाषा :—

विभिन्न मनोवैज्ञानिकों द्वारा मनोविज्ञान की परिभाषा दी गई है जो कि निम्नलिखित है।

* मैक्डूगल के अनुसार :- "मनोविज्ञान आचरण तथा व्यवहार का सकारात्मक विज्ञान है।"

"Psychology is a Positive Science of Conduct and Behaviour"

* वाटसन के अनुसार — "मनोविज्ञान व्यवहार का धनात्मक विज्ञान है।"

"Psychology is a Positive Science of Behaviour"

* क्रो एवं क्रो के अनुसार — "मनोविज्ञान मानव व्यवहार तथा मानव सम्बन्धों का विज्ञान है"

"Psychology is the Science of human Behaviour and human Relationship"

Scanned by CamScanner

* कॉलेसनिक के अनुसार
"मनोविज्ञान मानव व्यवहार का विज्ञान है"
(Psychology is the Science of human Behaviour)

* वुडवर्थ के अनुसार – "सबसे पहले मनोविज्ञान ने अपनी आत्मा का त्याग किया फिर अपने मन को छोड़ा, इसके पश्चात् उसने अपनी चेतना का त्याग किया और अब उसके पास एक प्रकार का व्यवहार है।
"first Psychology lost its Soul, Then it lost its mind, Then it lost its Consciousness, it Still has Behaviour of short"

* बोरिंग के अनुसार – "मनोविज्ञान मानव प्रकृति का अध्ययन है।"
"Psychology is the Study of Human nature"

* मर्फी के अनुसार – "मनोविज्ञान वह विज्ञान है, जिसके अन्तर्गत प्राणी और वातावरण की पारस्परिक अन्तःक्रिया का अध्ययन किया जाता है"
"Psychology is the Science which deals the interaction Between Man and Environment"

* जेम्स ड्रेवर के अनुसार "मनोविज्ञान वह विधायक विज्ञान है जो मनुष्यों और पशुओं के उस व्यवहार का अध्ययन करता है जो व्यवहार उनके उस अन्तर्जगत के मनोभावों और विचारों की अभिव्यक्ति करता है, जिसे हम मानसिक जगत कहते हैं।"

Scanned by CamScanner

"Psychology is the Positive Science which Studies the Behaviour of men and Animals So far as that Behaviour is Regarded as an expression of that inner life of Thoughts and Feelings which we call Mental life"

* "मनोविज्ञान आत्मा का विज्ञान है"
(अरस्तू, प्लेटो, देकार्त)

"Psychology is the Science of Soul"

* गैरिसन के अनुसार — "मनोविज्ञान का सम्बन्ध प्रेक्षित मानव व्यवहार से है।"

* "मनोविज्ञान मन या मस्तिष्क का विज्ञान है।" — पोम्पोनाजी, लीबनीज, टॉमस लॉक, कान्ट।

"Psychology is the Science of Mind"

अतः इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि मनोविज्ञान वह विज्ञान है, जो सचेतन और अचेतन व्यवहार का अध्ययन करता है।

* मनोविज्ञान की विशेषताएँ (Characteristics of Psychology) उपरोक्त परिभाषाओं के आधार पर मनोविज्ञान की विशेषताओं का यहाँ उल्लेख किया गया है। यह विशेषताएँ इस प्रकार हैं :—

Scanned by CamScanner

1. मनोविज्ञान वह विज्ञान है, जो मनुष्यों एवं पशुओं के व्यवहार का अध्ययन करता है।

2. इसके अन्तर्गत सचेतन एवं अचेतन व्यवहारों का अध्ययन किया जाता है।

3. इसमें मनुष्य एवं वातावरण के पारस्परिक अन्तःक्रिया का अध्ययन किया जाता है।

4. मनोविज्ञान में शारीरिक, मानसिक तथा सामाजिक व्यवहारों का अध्ययन किया जाता है।

5. इसके अन्तर्गत ज्ञानात्मक, भावात्मक तथा क्रियात्मक व्यवहारों का अध्ययन किया जाता है।

6. मनोविज्ञान के अन्तर्गत वातावरण में समायोजन का अध्ययन किया जाता है।

7. मनोविज्ञान को व्यवहार का विज्ञान माना जाता है।

8. मनोविज्ञान आचरण एवं व्यवहार का सकारात्मक विज्ञान है।

9. मनोविज्ञान अनुभवों एवं अनुक्रिया का सकारात्मक विज्ञान है।

10. मनोविज्ञान के अन्तर्गत मानव प्रकृति का अध्ययन किया जाता है।

Scanned by CamScanner

* मनोविज्ञान की प्रकृति (Nature of Psychology)

मनोविज्ञान की प्रकृति निम्नलिखित है :-

1. मनोविज्ञान के कथन मानव की प्रकृति को स्पष्ट करते हैं।

2. मनोविज्ञान अध्ययन का व्यापक क्षेत्र है।

3. मनोविज्ञान वातावरण में समायोजन का अध्ययन है।

4. मनोविज्ञान के चर अमूर्त हैं, उनका व्यवहार के रूप में आकलन करता है।

5. मनोविज्ञान के अर्थ, सिद्धान्त, अधिनियम तथा अवधारणायें भी अनेक हैं।

6. मनोविज्ञान में वंशानुक्रम तथा वातावरण को महत्व दिया जाता है।

7. मनोविज्ञान के अन्तर्गत सभी प्रकार के व्यवहारों का अध्ययन करते हैं।

8. मनोविज्ञान में एकल तथा सामूहिक अध्ययन करते हैं।

9. मनोविज्ञान सामान्य तथा असामान्य व्यवहारों का अध्ययन करता है।

Scanned by CamScanner

* मनोविज्ञान के प्रकार (Types of Psychology)

मनोविज्ञान की सम्पूर्ण विषय-वस्तु को अनेक समूहों में बाँट लिया गया है। ये समूह ही मनोविज्ञान की शाखाएँ कहलाते हैं। वर्तमान में मनोविज्ञान की निम्नलिखित शाखायें हैं :-

1. सामान्य मनोविज्ञान (Normal Psychology)
2. असामान्य मनोविज्ञान (Abnormal Psychology)
3. मानव मनोविज्ञान (Human Psychology)
4. पशु-मनोविज्ञान (Animal Psychology)
5. बाल-मनोविज्ञान (Child Psychology)
6. शिक्षा मनोविज्ञान (Educational Psychology)
7. सामाजिक मनोविज्ञान (Social Psychology)
8. किशोर मनोविज्ञान (Adolescent Psychology)
9. शिशु मनोविज्ञान (Infant Psychology)

10 Sunday

10. राजनैतिक मनोविज्ञान (Political Psychology)
11. औद्योगिक मनोविज्ञान (Industrial Psychology)
12. तुलनात्मक मनोविज्ञान (Comparative Psychology)

Scanned by CamScanner